पानीपत के थिराना स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान मानसरोवर में रशियन कलाकारों द्वारा आयोजित हुआ भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम

कला के सही उपयोग द्वारा की जा सकती है एक उत्तम समाज की रचना - संतोष दीदी

- विदेशी कलाकारों की कला को देख झूम उठे लोग
- हज़ारों की संख्या में पहुंचे शहरवासी और गांववासी

पानीपत-हरियाणा। पानीपत के थिराना स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान मानसरोवर में रशिया से पहुंचे कलाकारों ने भारतीय संस्कृति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम की सुंदर प्रस्तुति दी। इस मौके पर पानीपत सर्कल इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. सरला दीदी, रशिया से अपने आर्टिस्ट ग्रुप के साथ आईं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. संतोष दीदी, जी.आर.सी निदेशक ब्र.कु. भारत भूषण, डॉ. बिन्नी,ग्लोबल हॉस्पिटल माउण्ट आबू, डॉ. एन्थनी राजू,अध्यक्ष, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एडवाइज़री कौंसिल सहित स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों की इंचार्ज बहनें उपस्थित रहीं।

लघु नाटिका के माध्यम से दिया गुण धारण करने का संदेश

कार्यक्रम में रशियन कलाकारों ने भारतीय देशभक्ति से जुड़े गीतों पर अपनी प्रस्तुति दी, जैसे देश रंगीला आदि...। इसके अलावा भगवान शिव की महिमा के गीतों और कुछ रशियन सॉग्स पर भी उन्होंने नृत्य किया। एक लघु नाटिका के माध्यम से संदेश दिया कि मानव को आसुरी वृत्तियां छोड़ दैवी गुण धारण करने चाहिए। लेने की जगह हममें देने की भावना हो।

कलाकार 20 वर्षों से सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से दे रहे दिव्य संदेश

रशिया स्थित ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्रों की निदेशिका एवं रशिया के सांस्कृतिक कलाकारों की ग्रुप लीडर राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष दीदी ने बताया कि पिछले 20 वर्षों से ये कलाकार भारत के अनेक स्थानों पर ज्ञानयोग से सजे सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कला की समाज को प्रभावित करने में बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि इस शक्तिशाली माध्यम का सही उपयोग किया जाए तो मानव की मनोवृतियों को श्रेष्ठ बनाकर एक उत्तम समाज की रचना की जा सकती है। इसलिए इस डिवाइन लाइट ग्रुप का लक्ष्य भी यही है कि अपनी कला के माध्यम से मानव जीवन के तनाव को कम करके आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाएं। राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण ने सभी कलाकारों का शब्दों के माध्यम से आभार प्रकट किया और भविष्य में फिर से पानीपत में आने का निमंत्रण भी दिया।

इस अवसर पर 14वीं इंटरनेशनल वुमेन एम्पावरमेंट सम्मिट एवं अवॉर्ड-2024 का भी आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अंत में डॉ. एन्थनी राजू,वैश्विक अध्यक्ष,इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स एडवाइज़री कौंसिल, डॉ. जूम,अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष,महिला विंग,ऑल इंडिया कौंसिल ऑफ ह्यूमन राइट्स, डॉ. बिन्नी,पीस एम्बेसडर,फाउंडर इनिशिएटिव फॉर पीस एंड वेल बीइंग द्वारा राजयोगिनी संतोष दीदी, राजयोगिनी सरला दीदी एवं राजयोगी भारत भूषण भाई को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

श्रेष्ठ कर्म द्वारा रखी जाती है समृद्ध समाज की नींव : विधायक

- ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा टाउन हॉल में 'समृद्ध समाज की नींव तनाव मुक्त जीवन' कार्यक्रम
- समाज के प्रसिद्ध समाजसेवी सहित अनेक गणमान्य नागरिक रहे उपस्थित

- मौके पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने स्वामीनाथन भाई को किया सम्मानित

भुज-गुजरात। ब्रह्माकुमारीज़ के अय्या नगर सेवाकेंद्र एवं संस्था के समाज सेवा प्रभाग द्वारा टाउन हॉल में 'समृद्ध समाज की नींव तनाव मुक्त जीवन' विषय आयोजित कार्यक्रम में विधायक केशुभाई पटेल ने कहा कि समृद्ध समाज की नींव हमारे श्रेष्ठ कर्म द्वारा ही रखी जाती है। पिछले 25 वर्षों से समाज में साधन तो बढ़ गए लेकिन हमारे मन का संतोष, सुख खत्म होता चला गया। आज हमें प्रकृति और संस्कृति को साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। तभी हम समृद्ध समाज बना पाएंगे और हमारा जीवन तनावमुक्त होगा। मुख्य वक्ता, मोटिवेशनल स्पीकर व समाज सेवा प्रभाग के ज़ोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. स्वामीनाथन भाई ने कहा कि हम माता-पिता और शिक्षक बच्चों को इंजीनियर, डॉक्टर आदि बनाने की बहुत कोशिश करते हैं लेकिन जीवन कैसे जीना है ये बताना भूल जाते हैं। इसलिए बच्चे जीवन के बारे में गूगल में ढूंढ़ते हैं। जबकि बच्चा जीवन में जब भी निराश होगा तब आपकी भावनाएं ही उसको शक्ति देंगी। गांधीधाम सेवाकेंद्र की संचालिका ब्र.कु. भारती दीदी ने कहा कि मन को मेडिटेशन के द्वारा सशक्त बना सकते हैं। जब हमारा मन स्वस्थ होगा तब हमारा शरीर भी स्वस्थ होगा। जब हमारा शरीर स्वस्थ होगा तब हम एक समृद्ध समाज की स्थापना कर पाएंगे। समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. बीरेंद्र भाई ने प्रभाग का उद्देश्य बताते हुए कहा कि हमें अपनी शक्ति को पहचान कर उसे सेवा के कार्य में लगाने की आवश्यकता है। कच्छ मित्र न्यूज़पेपर के संपादक दीपक माकड़ ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा जो तनावमुक्त जीवन का प्रशिक्षण दिया जाता है और जिस तरह से यहां मेडिटेशन सिखाया जाता है वह अनुकरणीय है। समाज रत्न विनोद सोलंकी व डॉ. मुकेश चंदेल ने भी अपने विचार रखे।

आवश्यकता है अंदर की शक्ति को जगाने की : ब्र.कु. विद्या

'महिला सशक्तिकरण के लिये परमात्मा शिव द्वारा सकारात्मक परिवर्तन' कार्यक्रम

अम्बिकापुर-चोपड़ापारा(छ.ग.)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के नव विश्व भवन में 'महिला सशक्तिकरण के लिये परमात्मा शिव द्वारा सकारात्मक परिवर्तन' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में सरगुजा संभाग की सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी ने कहा कि नारी में अदम्य शक्ति व साहस है। मातृशक्ति यदि चाह ले तो वो अपने घर, समाज व देश को स्वर्ग भी बना सकती है, और नर्क भी। इसी साहस व शक्ति को देखकर भगवान ने भी माताओं के सिर पर ज्ञान का कलश रखा है। इसलिये आदि शक्ति माताओं और बहनों के अंदर की शक्ति को जागृत करने की आवश्यकता है। समाजसेविका शिल्पा पाण्डे ने कहा कि महिला शक्ति सशक्त तभी बन सकती है जब एक महिला शक्ति, दूसरे महिला शक्ति को सहयोग और सम्मान दे। तभी महिला सशक्तिकरण का संकल्प पूर्ण होगा। रीनू जैन,डायरेक्टर,के. आर. टेक्निकल कॉलेज अम्बिकापुर ने कहा कि राजयोग के माध्यम से हम सकारात्मकता की ओर जाते हैं, सकारात्मक होने के लिए बिज़ी रहना अति आवश्यक है। जो भी हुनर जिसमें है- उसी में आगे आयें। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष फुलेश्वरी जी ने कहा कि यदि हम सभी महिलायें इस आध्यात्मिक ज्ञान को जीवन में धारण करें तो निश्चित रूप से आगे बढ़ेंगे और ये धरती भी स्वर्ग बन जायेगी। होली क्रॉस हॉस्पिटल व्यवस्थापिका सिस्टर टोप्पो, अनिल मिश्रा, मीरा साहू,प्रचार्या सरस्वती शिशु मन्दिर अम्बिकापुर, श्वेता सिन्हा,प्राचार्या मॉडर्न कान्वेन्ट स्कूल कल्याणपुर, महालक्ष्मी जी,डी.एस.पी. सूरजपुर ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। इस मौके पर जादूगर सम्राट हैरी ने अपने रंगीन मायाजाल जादू से सभी का भरपूर मनोरंजन किया।

महिला दिवस पर विश्व शांति सरोवर में 'शिवशक्ति स्नेह मिलन' का सफल आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में नागपुर विभाग की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी दीदी तथा डॉ. ब्र.कु. सुनीता दीदी को 24 स्टार प्राइड क्लब की प्रेसिडेंट डॉ. रिचा जैन तथा डायरेक्टर कविता सिंघानिया ने मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया।

नागपुर-महा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट 'शिवशक्ति लीडरशिप अप्रोच' के अंतर्गत 'नारी के चार स्वरूप अनादि, पारम्पारिक, आधुनिक और शक्ति' विषय पर महिलाओं के लिए 'शिवशक्ति स्नेह मिलन' का विश्व शांति सरोवर में आयोजन हुआ। इस अवसर पर श्रीमती रूपाली पवार,डिस्ट्रिक्ट जज, श्रीमती जस्टिस किर्ती शहा,सिविल जज, श्रीमती उर्मिला चांडक,वाइस प्रेसिडेंट, माहेश्वरी महिला मंडल, श्रीमती डॉ. सुषमा देशमुख,प्रेसिडेंट ऑबे सोसायटी, श्रीमती छाया चतुर्वेदी,प्रिंसिपल,भारतीय कृष्णा विद्या विहार, श्रीमती किर्ती जांभुलकर, प्रेसिडेंट, डॉ. रिचा जैन,डायरेक्टर,रिचा क्लिनिक सहित शिवशक्ति की टीम मेम्बर मुम्बई मुलुंड वीणा नगर सेवाकेंद्र से ब्र.कु. प्रवीणा दीदी तथा भायखला-घोडपदेव मुम्बई से ब्र.कु. मालती दीदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में वीडियो के माध्यम से राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी,संयुक्त मुख्य प्रशासिका,ब्रह्माकुमारीज़ तथा एडवाइज़र, शिवशक्ति लीडरशिप,भारत ने कहा कि आत्मा जो शरीर को चलाती है वो अनादि शक्ति है और आदि शक्ति लक्ष्मी, श्री सीता के गुणों की है। जब मनुष्य अपने ईगो को समाप्त करता है तब माताओं की शक्ति को पहचान उन्हें रिस्पेक्ट दे सकता है। सबसे बड़ी शक्ति सेल्फ रिस्पेक्ट की है।

राजयोगिनी डॉ. ब्र.कु. सुनीता दीदी,'शिवशक्ति लीडरशिप अप्रोच' के भारत क्षेत्र के फोकल प्वाइंट पर्सन ने राजयोग का अभ्यास कराते हुए अपने आंतरिक आत्मिक शक्ति स्वरूप की स्थिति से स्वयं के परिवर्तन द्वारा परिस्थिति पर विजय प्राप्त कर पुनः अपने खोये हुए अनादि स्वरूप को पाने की सुखद आंतरिक यात्रा कराई। नागपुर विभाग की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. रजनी दीदी ने नारी के विभिन्न स्वरूपों का वर्णन करते हुए कहा कि यदि नारी दिव्यगुणों को अपना ले तो वो हर परिस्थिति में निवारण स्वरूप बन सकती है। उपसंचालिका ब्र.कु. मनीषा दीदी ने आभार व्यक्त किया। संचालन ब्र.कु.नीतू दीदी,टाकली ने किया।

'शिवशक्ति स्नेह मिलन' का उद्देश्य था महिलाओं को एक मित्रतापूर्ण और सुरक्षित माहौल में आंतरिक शक्तियों की अनुभूति कराकर सशक्त बनाना

इस मौके पर बेस्ट कॉन्सेप्ट अकादमी अवॉर्ड प्राप्त-नारी के चार स्वरूप का ऐतिहासिक पहलू दर्शाने वाली एक अद्भुत डॉक्यूमेंट्री लघु फिल्म भी दिखायी गई

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 12th April, 2024
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org